बच्चे का पड़ोस

अपने समाज को समझिए। क्या यह पड़ोस सुरक्षित है? क्या आप और आपका परिवार अपराध तथा क्लेश का लक्ष्य हैं? क्या आसपास कुछ लोग हैं, जिन्हें संकट के समय, बच्चा बुला सकता है? अगर आप इस पड़ोस की सुरक्षा के बारे में चिन्तित हैं, तो देखभाल का प्रबन्ध किए बिना बच्चों को छोड़ना ठीक नहीं होगा।

क्या आपका घर सुरक्षित है? बच्चे को अपनी रक्षा का उत्तरदायित्व देने से पेहले आपातकालीन नम्बरों की सूची अवश्य बना लीजिए। सुरक्षा निश्चित करने के लिए, आपके घर में कार्बन-मोनोक्साईड डिटेक्टर अवश्य हों तथा आग लगने पर निकलने का रास्ता पूर्व-निर्धारित हो।

विष, बिन ताले बन्दूक आदि तथा नंगी तारों जैसी विपत्तिजनक वस्तुओं से घर को मुक्त रखें।

बिजली के यन्त्र इस्तेमाल करने के लिए उपयुक्त नियम बनाएँ। तय करें कि, बच्चे देखभाल बिना, स्टोव, इस्त्री तथा बिजली के अन्य गर्म यन्त्र किस उम्र से इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ घण्टे अकेले रह पाने के काबिल बच्चा, ज़रूरी नहीं कि खाना बनाने अथवा माइक्रोवेव इस्तेमाल करने के काबिल भी हो।

हमारा उद्देश्य

बाल-सुरक्षा
तथा बच्चों और उनके परिवारों की
दृढ़ता एवं सहायता

हमारी कल्पना

लालित-पोषित बच्चे
आश्रित परिवार
कृपालु समाज

Peel Children's Aid

8 Nelson Street W., Suite 204
Brampton, ON L6X 4J2
फ़ोनः 905-796-2121
फ़ेक्सः 905-796-2293

101 Queensway W., Suite 625
Mississauga, ON L5B 2P7
फ़ोनः 905-275-7444
फ़ेक्सः 905-275-1600

www.peelcas.org

Peel Children's Aid

घर में अकेला

बच्चे कब रह सकते हैं अकेले?

जब बच्चे घर पर अकेले हों

बच्चे को कुछ घण्टों के लिए घर पर अकेला कब छोड़ा जा सकता है, यह माता-पिता के लिए एक अहम् फ़ैसला है।

चाइल्ड एण्ड फ़ैमिली सरविसिज़ एक्ट (*The Child and Family Services Act*) के अनुसार 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के प्रति, माता-पिता का कानूनी उत्तरदायित्व है कि उनके बच्चे हरदम सुरक्षित रहें। शिशुओं तथा छोटे बच्चों की देखभाल हर समय की जानी चाहिए। हालांकि, पील चिल्डरन्ज़ एड में हम जानते हैं कि, माता-पिता कभी-कभी, डाक लाने के लिए नीचे जाते समय अथवा गली के उस पार दुकान से कुछ लेने जाते समय, अपने 8/9 वर्षीय बच्चों को अकेला छोड़ देते हैं। माता-पिता से आशा की जाती है कि वे अपने बच्चों को आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार करेंगे। किसी भी हालात में अकेले होने पर बच्चे की परिपक्वता तथा विश्वस्तता के बारे में सोचेंगे।

10 वर्ष की आयु के पश्चात भी, कानूनी तौर पर, 16 वर्ष की आयु तक, बच्चे के संरक्षण के अच्छे प्रबन्ध करना माता-पिता की ज़िम्मेदारी है। इस आशा से, बच्चों की देखभाल के विषय में ज़रूरी फ़ैसला करने में माता-पिता को सहायता मिलेगी। माता-पिता सदा याद रखें कि हर बच्चा अपनी आयु के अनुसार परिपक्व और ज़िम्मेदार नहीं होता। कुछ 10 वर्षीय बच्चे, कुछ घण्टों के लिए अपना ध्यान रखने के काबिल होते हैं। उसी उम्र या अधिक उम्र के, कुछ अन्य बच्चे, नहीं। माता-पिता यह निश्चित करें कि बच्चा कब और कितनी देर के लिए अकेला छोड़े जाने के काबिल है।

बच्चे को अकेले छोड़ने का निश्चय करने में, ध्यान रखने योग्य कुछ बातें, इस पत्रिका में संयुक्त की गई हैं।

आपके बच्चे की कुशलताएँ

क्या बच्चे ने अपना ध्यान रखने की योग्यता का प्रदर्शन किया है? क्या वह अपने आप तैयार हो सकता है, सुरक्षित कार्य कर सकता है, निर्देश याद रखकर आज्ञा का पालन कर सकता है तथा सम्पत्ति का ध्यान रखने के लिए उसपर भरोसा किया जा सकता है?

क्या बच्चे ने सही निर्णय लेने का प्रदर्शन किया है और उसे स्वयं उलझनें सुलझाने का अनुभव है?

क्या बच्चे की खास आवश्यकताएँ हैं, जिनकी वजह से उसे बाथरूम जाने में, मदद माँगने में या संकट काल में घर से भाग निकलने में कोई परेशानी हो?

क्या बच्चे की व्यवहारिक परेशानियाँ वैद्य, स्कूल या आपके द्वारा पहचानी गई हैं, जिनकी वजह से घर में अकेला छोड़ना आपत्तिजनक हो? उदाहरणार्थ, जिन बच्चों का, अपने आप को नुकसान पहुँचाने, प्रथम आक्रमण करने, आग लगाने, घर से बाहर घूमने, सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने, या चित्त एकाग्र न कर पाने, निर्देश न मानने, का इतिहास हो, वो अकेला छोड़े जाने पर अपने और दूसरों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

अगर बच्चे को स्कूल में, सहायक कर्मचारी अथवा सह-अध्यापक से आमने-सामने मदद की आवश्यकता है तो उसे घर में, देखभाल बिना अकेला छोड़ना, बुद्धिमानी नहीं होगी।

इस बात का ध्यान रखना ज़रूरी है कि बच्चे को कितने समय के लिए अकेला छोड़ा जा रहा है। लम्बे समय का मतलब है कि, बच्चा ज़्यादा कार्यों के लिए ज़िम्मेदार होगा, जिनके लिए उसे अधिक परिपक्व और काबिल होना चाहिए। किसी सुरक्षा व्यवस्था के बिना तो, 14 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को भी, एक साथ कई दनों तक अकेला रहने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

आपके बच्चे की प्रतिक्रिया

बच्चे को अकेला छोड़ने से पहले, उससे पूछ लें कि उसे इस बारे में कैसा लग रहा है। उससे पूछें कि उसे किसी चीज़ से डर लगता है या, उसमें हालात का सामना करने का साहस है।

दबाव की हालत में बच्चे की प्रतिक्रिया के बारे में सोचें। बच्चे ने पहले कभी, कठिन और भयभीत हालात का सामना कैसे किया है? बच्चे के अकेले रहते हुए, अगर यही हालात फिर सामने आएँ तो क्या उसकी प्रतिक्रिया अलग होगी?

आपका समर्पण

जब तक आपके बच्चे 16 वर्ष के नहीं हो जाते, तब तक आप उनके लिए ज़िम्मेदार हैं। आप प्रतिदिन उनका ध्यान रखते हैं इसलिए, उन्हें कब और कितने समय के लिए अकेला छोड़ा जा सकता है, इसका फ़ैसला सब से बेहतर आप ही कर सकते हैं।

जब भी बच्चा घर में अकेला हो, उसे आप तक पहुँचने का सरल एवं सुयोग्य तरीका मालूम होना चाहिए। संकट की स्थिति में आप तुरन्त मौजूद हो सकें या फ़िर किसी ज़िम्मेदार व्यक्ति के वहाँ पहुँचने का प्रबन्ध कर सकें। हर समय सम्पर्क के साधन खुले रखें और समय समय पर बच्चे की ख़ैर-खबर लेते रहें।

यह अवश्य निश्चित कर लें कि अकेले में, बच्चा किसी संकट का सामना करने के काबिल है, जैसे - आग लगना, किसी यन्त्र से पानी निकलना या फ़िर बीमार हो जाना।

आपके बच्चे के लिए यह निर्देश आवश्यक है कि जब आप घर पर नहीं हैं, और दरवाज़े पर कोई दस्तक दे या फ़िर आपके लिए फ़ोन करे तो उसे क्या करना चाहिए।

आपके लिए यह नियम बनाने भी आवश्यक हैं कि जब बच्चा किसी की देखभाल में नहीं हो तो, वो कब और यदि, दोस्तों को घर पर बुला सकता है।

परिवार पर दबाव के समय में - जैसे अलगाव, जगह बदलाव, परिवार में किसी की मौत आदि, बच्चे को अकेला छोड़ने की शुरुआत करने के अच्छे समय नहीं हैं।

अप्रेल २००३